भारत सरकार
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 4361
20 दिसंबर 2024 को उत्तर देने के लिए

जैव-चिकित्सा नवाचार

4361. श्री हमदुल्ला सईदः

क्या स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के माध्यम से देश में अग्रणी जैव-चिकित्सा नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए विश्व में पहली चुनौती पहल शुरू की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) इस पहल के विशिष्ट उद्देश्य क्या हैं और इसमें किन-किन नवीन प्रौद्योगिकियों और अन्य प्रविधियों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा हैं;
(ग) क्या ऐसी पहल में परिवर्तनकारी अनुसंधान प्रस्तावों को प्राथमिकता देने के बजाय वृद्धिशील नवाचारों के वित्तपोषित का परिहार करने संबंधी मानदंड शामिल हैं; और
(घ) यदि हां, तो अनुसंधान प्रस्तावों का चयन किस प्रक्रिया से किया जाएगा और 'उच्च जोखिम, उच्च परिदान' स्तर की परियोजनाओं के मूल्यांकन में चयन समिति की भूमिका क्या रहेगी?

उत्तर
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (घ): भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने सूचित किया है कि उसने देश में अभूतपूर्व जैव चिकित्सा नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए "फर्स्ट इन द वर्ल्ड चैलेंज (First in the World Challenge)" शुरू की है। यह पहल स्वास्थ्य विज्ञान में अभूतपूर्व प्रगति हासिल करने की क्षमता रखने वाले नए, उच्च-प्रभाव वाले शोध विचारों की पहचान करने और उन्हें वित्तपोषित करने के लिए बनाई गई है।

"फर्स्ट इन द वर्ल्ड चैलेंज" का उद्देश्य जटिल स्वास्थ्य चुनौतियों के लिए नवीन समाधानों की अवधारणा बनाने और विकसित करने के लिए शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करना है। विशिष्ट उद्देश्यों में निम्नलिखित शामिल हैं:

1. नए ज्ञान और सफल स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियों का सृजन करने के लिए आधुनिक और परिवर्तनकारी विचारों को प्रोत्साहित करना।

2. वैश्विक प्रासंगिकता और व्यापक प्रभाव वाले नए टीकों, निदानों, दवाओं, उपचारों और चिकित्सकीय सहायता में खोज और विकास का समर्थन करना।

3. नवीन परिणामों की क्षमता रखने वाले साहसिक और उच्च-जोखिम के विचारों वाली परियोजनाओं को वित्तपोषित करके क्रमिक नवाचारों से बचना।

4. "फर्स्ट ऑफ इट्स काइन्ड (first-of-its-kind)" उपलब्धियों के माध्यम से भारत को जैव चिकित्सा विज्ञान में वैश्विक नेतृत्व के रूप में स्थापित करना।

यह पहल स्वाभाविक रूप से उच्च जोखिम, उच्च प्रतिफल वाली है। यह महत्वपूर्ण है तथा अभूतपूर्व सफलता की संभावना के लिए परिणामों की अनिश्चितता को स्वीकार करने वाली है।

इसके अंतर्गत केवल वे परियोजनाएँ योग्य हैं जो नवीनता और मौलिकता प्रदर्शित करती हैं, और स्वास्थ्य विज्ञान में "अभूतपूर्व" परिणाम प्राप्त करने की क्षमता रखती हैं। प्रख्यात वैज्ञानिकों, अविष्कारकों, नीति निर्माताओं और कार्यक्षेत्र के विशेषज्ञों वाली एक चयन समिति को प्रस्तावों का मूल्यांकन करने, कार्यक्रम मानदंडों के अनुसार प्रत्येक प्रस्तुति की व्यवहार्यता, परिवर्तनकारी क्षमता और जोखिम- प्रतिफल अनुपात का आकलन करने का अधिकार है। मूल्यांकन आईसीएमआर वेबसाइट https://epms.icmr.org.in/extramuralstaticweb/callforproposal/FIW_30102024V2.pdf पर उपलब्ध कार्यक्रम मानदंडों के अनुसार किया जाता है।

******